M. T. B. COLLEGE, SURAT

Manuscripts Library

No. Ref.
Ser. 304

Title: Saunika

304

Incomplete

Sanskrit;

Saunaka	Title
	Author
	Editor
	Year, Vols.
	Publisher
304 (Ends abruptly)	Remarks



श्रीगणेशाय नमः ॥ ओं नमस्तु ॥ गुरुचरणारविंदाभ्यां नमः ॥ विनायकाय
गुरवे वासुदेवाय सूनवे ॥ यस्य भावितगुता बोधप्रच त्रिपुतिमिलति ॥ १ ॥ स्नान
कल्याणमात्स्वामि ॥ [illegible] दीक्षा द्दत्व श्रोति प्रोत [illegible] नस्व ॥ स्नानपवन म
[illegible] पुण्याह [illegible] कल्याणगणगौरि [illegible] मौली दमी [illegible] यनी
[illegible] पुरस्तादित्यादि [illegible] ताद [illegible] संकीर्ती [illegible]
सामुपार्थ [illegible] परिहार [illegible] नेच [illegible]
[illegible] पाप [illegible] समान [illegible] द [illegible] सप्तव
[illegible] दक्षिणन [illegible] मसं [illegible]
नेच [illegible] सोमनयस्य ॥ [illegible] रुपा [illegible] नतम
[illegible] देवता ॥ संकल्प्याध्वर्यौ ॥ पादाबुपसंग [illegible] पन्या [illegible] यव

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॐ शांतिः शांतिः शांतिः [illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] सार्ववि सानवाल स्यो [illegible] विश्वेदितां [illegible] मानोयं
[illegible] गार्हपत्येनि [illegible] मनस्सु सोमारणो [illegible] नमान: [illegible]
[illegible] तन्वस्तुरन: [illegible] त्रिषु ज्ञानं [illegible] हिल [illegible] मानो [illegible]
[illegible] यजमानो गार्हपत्यस्यायतनमभिलो [illegible] मायतना
[illegible] यानि [illegible] त्वीयंपा [illegible] स्मानं बद [illegible]
[illegible] दक्षिणाता [illegible] मतमानाबुपविश्य मनस्त्वसा [illegible] हुता पुन
[illegible] मानाय चायतनमनु [illegible] नमोवा [illegible] तिप
हांति [illegible] नमो [illegible] चोदितायाचानु दिनात स्वयं [illegible] नमानमोव [illegible] नमो
[illegible] नमनमन्त्रः [illegible] पतिभ्यामाभ्यामन [illegible] मन्त्र [illegible] मन्त्रप

सीताकांत
२

[illegible] मन्त्रकृतो मन्त्रपतिभ्य [illegible] चमुधास [illegible]
[illegible] शर्म मह्या: शर्मपृथिवी शर्म विश्वमिदं जगत् शर्म चन्द्र [illegible] शर्म [illegible]
प्रजापतेः [illegible] दिश्य [illegible] दिश्यत [illegible] दिश्य [illegible] दिश [illegible]
[illegible] मनुपस्तरणमसि उपस्तरणं मे प्रजायै [illegible] नां भूयादुपस्तरणं [illegible]
प्रजायै [illegible] प्राणापानौ मा मा पात प्राणापानौ मा मा हासिष्टम [illegible]
[illegible] पुनस्त्वामिमं [illegible] चमुधास [illegible] मनु
[illegible] ॐ शांतिः शांतिः शांतिः [illegible]
[illegible] स्वाहा [illegible] त्वं बल्मीक
[illegible] संसाध [illegible] जिनं प्राची

अथ वेदिमुत्तरेणोत्तरा [illegible] गार्हपत्यस्य [illegible] सकलां पात्रं
कृत्वा [illegible] प्रणीय [illegible] कृत्वा अग्निं कपालान्युपधाय [illegible]
[illegible] पुरोडाशं [illegible] गार्हपत्ये समं
[illegible] प्रणीतोऽग्निरायण [illegible]
[illegible] दक्षिणेन [illegible] यजमाना
[illegible] यजमाना [illegible] जुहोति ॥ [illegible] युञ्जते धियो विप्रा वि
प्रस्य बृहतो विपश्चितः ॥ [illegible] परिभूतिः
स्वाहा ॥ देवायमभि [illegible] देवस्य [illegible] सवितुः [illegible] स्वाहा
[illegible] उत्तिष्ठ ब्रह्मणस्पते देवयन्तस्त्वेमहे ॥ उप प्रयन्तु मरुतः सुदानव इन्द्र प्राशूर्भवा सचा ॥

[illegible] प्रदक्षिणं [illegible] ॥ [illegible] निरा [illegible] देवो [illegible]
[illegible] दक्षिणतो ब्रह्म यजमानावुपविश्य ॥ [illegible] अनुमन्त्रण
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] उपस्थाय ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] उपस्थाय ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] उपस्थाय ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] उपस्थाय ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] यजमाना [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ अथ [illegible]

मानीय॥ आयुर्मे पाहि प्राणं मे पाह्यपानं मे पाहि व्यानं मे पाहि चक्षुर्मे पाहि श्रोत्रं मे पाहि मनो मे जिन्व वाचं मे
पिन्वात्मानं मे पाहि ज्योतिर्मे यच्छ॥ खरे समासाद्य कर्मकपालमाकरोति परिश्रित्य
कृष्णाजिनलोमभिरश्वस्य संस्तीर्य॥ न भूलाम भूम्याकरोतु॥ मृद्भिरेव सयुत्य॥ मखस्य शि
रोसि॥ विधृत्वा॥ मखस्य पदे स्थ॥ अयुक्तामीनं पविश्मिन्निदस्य त्री विस्तारं कृत्वा॥ मापयो
मि॥ मेषां मृत्कां प्रथमं प्रदाय॥ कर्ता॥ गायत्रेण त्वा छन्दसा करोमि॥ तेन महावीरस्य मलमूह्य॥
अध्वर्युः मखस्यासि॥ द्वितीयं प्रदाय कर्ता॥ त्रैष्टुभेन त्वा छन्दसा करोमि॥ तेन मध्यं कृत्वा॥
अध्वर्युः मखस्यासि॥ तृतीयं प्रदाय॥ कर्ता॥ जागतेन त्वा छन्दसा करोमि॥ बिलं कृत्वा॥ म
हावीरमादित्योद्भूतायं प्रादेशमात्रं विस्तारं सन्नतं कृत्वा॥ वेणुयलाकया स्थोरं कृत्वा॥
बिलस्याधस्तादङ्गुलप्रमाणे छिद्रं कृत्वा धापयति॥ अभिषिच्य॥ पुरस्तात्॥ [illegible]
त्वा॥ दक्षिणतः॥ उत्तरतः॥ पश्चात्॥ [illegible]॥ उत्तरतः॥ पञ्च पुनर्गायत्र्या॥ मापयो

सीताराम
२

हि

अविमभसंदावंसतंसंदं ब्रह्मचारी रिरा पयं कृत्वा॥ तिन भिरवादगपराकर्मेत्यति॥ अभिमं
त्रिभिरावरितमि त्रायमथसत्रया॥ पुनस्थसाप थिवी॥ मित्रस्य चर्षणीधृतः श्रवो देवस्य सा
नसि॥ पुञ्जो बिद्रश्रवस्तमं॥ सिच्यत्वा॥ अदिमा रामपप्रथमा नमहावीरा दमोनुदं पति॥ देव
स्यास्विता दूपनुस्रपाणिः स्वंगुहिः सुबाहुरुत शक्त्या॥ महावीरं संद्रोनं ... सूनति॥
अतिस्वनूवर्णे॥ अर्ध्वोमिति पूर्वं स्तं॥ स्वमल्लानिसारयति॥ अपघाना ना पृथिव्यामाद्रणादित्रा
आरण्य॥ महावीरमी तन॥ मयं स्मतां च सुधाभ्यां मन्त्रे उत्तवेतालासा धेवेतालासुविसोम
पैत्वा॥ प्रदक्षिण पुरीषेण परिमुलति॥ इदमहमसुमामुष्यायणमस्य चर्चं सनपहुंति॥
मंडवेन मनेवभायांतबंहिर्भावस्थागापयसाधूपयति॥ गायत्रेण त्वा छन्दसा धूपयामि त्रै
ष्टुभेन त्वा छन्दसा धूपयामि जागतेन त्वा छन्दसा धूपयामि दक्षिणतुलाय पश्चादनुलोकं धूप

नुं वाहू [illegible] वा वे [illegible] पितरो [illegible] पुरु [illegible] सासंत ॥ [illegible] पयसाभिद

[illegible] तीयमेव [illegible] । [illegible] ॥ [illegible] ने न पचाद्यो

[illegible] स्थापयन्ति ॥ [illegible] पन्नेयन ॥ [illegible] नेवानद्देति शालेपके नि

[illegible] वातः पवनं मानाः ॥ [illegible] ॥ [illegible] मनुलः ॥ [illegible] प्रति धीयतां ॥

[illegible] मादित्य उदेतु नः ॥ [illegible] मा भवन्तु [illegible] मरस्वती ॥ मा [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] वातस्य [illegible] मतो [illegible] मा वातो [illegible] वातस्य [illegible] स

[illegible] ॥ प्रति [illegible] प्रतिष्ठा [illegible] वातस्य [illegible] प्रतिष्ठा [illegible]

[illegible] स [illegible] ॥ आ वात वाहि भेषजं वि वात वाहि यद्रपः

त्वं हि विश्वभेषजो देवानां दूत ईयसे ॥ द्वाविमौ वातौ वात आ सिन्धोरा परावतः ॥ [illegible]

[illegible] आ वातु [illegible] रपः ॥ [illegible] वातते [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] वात आ वातु भेषजं शं

भुमयोभु नो हृदे ॥ प्र ण आयूंषि तारिषत् ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] मी

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] मानसानि ॥ प्राणापानौ मृ-

त्योर्मा पातं [illegible] प्राणापानौ मा मा हासिष्टं [illegible]

५ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] सरस्वती ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥ [illegible] सखीनाम

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] शमयन्तु [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] शमयन्तु ॥ [illegible]

[illegible] शान्तिर्द्यौः शान्ति[illegible] शान्तिरन्तरिक्षं [illegible]

२ शमयन्तु ॥ [illegible] शान्तिः पृथिवी शान्तिरापः शान्तिरोषधयः सीताकांत

शान्तिर्वायुः शान्तिरादित्यः शान्तिश्चन्द्रमाः शान्तिर्नक्षत्राणि [illegible]

शान्तिर्वनस्पतयः शान्तिर्गौः शान्तिरजा शान्तिरश्वः शान्तिः पुरुषः शान्तिर्ब्रह्म शान्तिर्ब्रा ५

[illegible]

शान्तिरेव शान्तिः शान्तिर्मे अस्तु शान्तिः ॥ तयाहं शान्त्या [illegible] द्विपदे चतुष्पदे

ह्मणः शान्तिः शान्तिरेव शान्तिः शान्तिर्मे अस्तु शान्तिः ॥ [illegible] प्रतिष्ठा [illegible]

च शान्तिं करोमि ॥ शान्तिर्मे अस्तु शान्तिः ॥ [illegible] प्रतिष्ठा [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ तच्चक्षुर्देवहितं पुरस्ताच्छुक्रमुच्चरत् ॥ पश्येम शरदः शतं जीवेम शरदः

शतं [illegible] शरदः शतं प्रब्रवाम शरदः शतम[illegible]

[illegible] शरदः शतं [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

२ [illegible] सर्वा [illegible] पुनातु ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] पृथिवी [illegible] मही [illegible]

[illegible] पृथिवीं [illegible]

तु० मैत्रुनन्नं प्रेमा० तेभ्रात ॥ ६ हर्मी वो म्पृतनस्पत य्युत्सा वीरू छेदत्वा र्मा पृथ्वा प्राणि ॥ आसिथ्रैरोंप
न्नोत्सुनमा पा घापदरी वो वयं धेमाना ॥ पूत्रलोपसदस्त्रीमा हि गोशत्रा उग मला पिरूवा मा नो अ
धर्तेस्मामा ॥ बलप्राणा बदिपतका मालसीव ॥ ७०६ इति ॥ वलिममालस्त्रेननमां दत्लसुप विश्व
आजमरात ॥ पुरोतत्री वासन मय प्रत्पर्पायवघ्र त्वप मोद नमा बुनेय पराचे ग्रियाहू लपा पुत्री
नम् हतिर्नीतेनिय उत्रय स्वदगतिसंकल्पया ॥ उभिनीनानदवु यजनेनण धियावि भिवृदयिदनुपनन
वै क्रन्धनमा मानबु पार्सव ता रायस्पोषपारास्मि पामदन ॥ इन ॥ पक्रा ॥ ता उत्तरता डेकपुरस्ता
रिता रत्नि पतवृ ॥ विदव्रतमन्भ भवसाय ॥ आप्नवपुरंतरा पानपुत्नरा पापघ्म भ्रमम व्रतरा
मानव भ्रामणी विद्रहस पारिस्त्री यंव्रमस्य तमानापुप वदुर्य बतुरुंद्दीतमत वनी यन्नुलास्य सीतामण
मारभ्येय जमाने ॥ माररा पूर्णे ना ॥ सपत्र विरभ्य भु ॥ अच्युत पजा ॥ अग्नीह ॥ पत्र ध्रुतमना
उपवृता ॥ उ नाभ्यत्यम्बात्रा तिध्व स्रा भ्यत स्मा भिंगेरा ॥ अपा स्युरव्रमा ॥ वोमस्पत

६

६ अहिभ्ना मन्त्र ॥ चित्रं मेकूना मं ॥ निच्छ्रमस्मा यंताम ॥ वाचस्पति सोमम्पातु ॥ मोदब्रूयरंतु रुते
प्रिमामेनू पर्व ॥ नमतेरुद्र नमः परिधि प्रस्ता ह ॥ वाचस्पते मम णई ॥ पुनर्विद्रस कुर्मा हुत्वा
पस्तुतावरेदने ॥ पुनर्विरसर पाहत्वा रिपन्वक्नुद्र पमा इ सा भिमंधना प्रताता निर्वाय्यव्रत
प्रपणा मारदारा दिरा ॥ तेत्रा परिभिष्य पवा मिश्र यावृत्य तापजमाना पोलीत ॥ आप्नवपुरंतरा सी
हार्विरातं दर्भपुंजीला ॥ जिनवनीत मा लन सन लोउ रत्वीक वादाय रोह यजमान स्त्ववयाहुता
नीविगत्वा मतभानर पधाकूत्र वस्वा मनीस्पद विणगोदानंभ हरनत ॥ अपिदेशंत नीवेत
दीर्घायुत्वाय वर्चसे ॥ लकंदर्भपुंजीला ॥ लंदूध्वा कृताएकं दक्षिणगोदाने भ हरन्ति ॥ दूर्धा
अंवधाति ॥ आपरूनाम स्वन ॥ नेष्पिति निर्धेनिरूपाति ॥ स्वधिनमनसः हि सि ॥ वैयंति ॥
देवमवेमा नम्रवै ॥ उपत्पतगानोनिर्मत्रति ॥ स्वस्तु मरात्पत्रीया ॥ एत्समुरे मोदने
इत्सानां ॥ घनाय स्त्तं मयच्छना ह ॥ ला ॥ शितो नकेत्रा उमग्भु मेनिकूतन खम्र व्रताय ॥ प्रतिप्रस्थ

[illegible] ॥ नादि
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] — सीताल
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]
२ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

अथकेनमनाहिसमासमात्मणेविरम्योपविश्रयति।मुखमनसंस्लाण्य।अनिन्द्रात्वं।अत्वेरो
नांहीसुजीफोदिविवसंस्था‌पयति।।मेरमादिपणम्भविग्नतत्वामिन्द्रमवाणपविसेनकत्मादुननि
दिनावचनोनवनमखमानमयवनुर्धाविरुपान्यानार्यपलिनिरपासामभिमयतु।प्रर्णतिविच
नवावनविष्णुरुम्मा।अपयवनमानोनचनेनियारेपसमुपविद्रुम्देविरर्णायिपुष्पायस्वच।अ
मीयीनापल्यलामो।अमावित्यचमकामुनमापारु।पुष्पादशुनापेलाडामुपाहनादि।अध्यर्थं
मजुसपापिंदेवानानुविदु।विनपिनाविहद्यान्या।धानादि।नमतांत्रवेविदंश्रतिधा
इपांशुनयानां।अमाविधुस्यामिदंयन्मनोलिखुह।।देदसांपाला।अन्विद्रांतडकान्दव
वमुललेदंस्यबहल।धपुकिवमंत्रेणअवामानाधविपाज्यरुद्रास्थामस्तवनीयपनभाना
नामध्यः।सकेदेचामनासादीनाम्नुर्नसिनुमानाधुनर्नवेरसि।।परिमनमसाध्यतिएवंनवेनिरिंदे
धनासोजायः करणादिवालेणोर्धपुमेन।।आत्ववितिनोषिधमनमादायामाभ्यातकरस्माप्यनमो।
सोतारमय
८

मानमेवालदतपुचमसेहदुक्कायेदं आयानापो विसिनरूमसेसमताधवमदनयातिहनमेता।धा
विनिषोयिद्वात्नापाब्दसिनस्त्रमसंस्त्रान्ननापान्मामन्ययुर्यातमम्भातारोमसयाति।।नेसुमन
महंद्वेपादिनिरमयमपुंमि।श्रनणाभ्दसिवल्लादिवमेरासतासुपहूयपुनरम्मपामाहवामा
पाण्डेमिचमसपविनु।।अत्नानसाब्रानमणाउसिनमुपस्यमसवचमसान।।देवेपापी
नस्य।।आत्मानमाप्तिनतुवेनाप्पायत।।देवसत्यसामाप्याराकचमसमुस्यानामाडरहयं
ति।।प्रातप्रम्माता।।प्राअयन्तारे अपनामाद्दजतोनेमसुमुवमन्पुम्याहा।।अत्रानिसंरन्यागा।
मंत्रोमभनमंभुभयपुम्याता।।हिसायुतपसनुकस्याता।।सरस्वअनमपुसंवादाता।।वखु
वाचनुगंहीत।।आपिदधिविंदनीविधियमातुसाधायाधेवीवीर्वेते।।विसेनुहस्पातिनिह
विपादपानुस्वाहा।।आद्धम्याचापिवर्णियामंतारसाययुदाकस्पतयरहे।।तनमानु
र्धातिनमुधारापितामजुहो।।ताम्येदवस्पेनतुमेतीमुरीतसारवं।।दिस्कोरायदपुध्य
भाहे

छिद्रपूर्णमसीतिपृथ्व्यसिस्वातम कातात्मेनेसस्थिरइदं॥ प्रणीताप्रणीतानिनीय। अंतेप्रणाहव
नीयंपर्याहरत्यजमानायप्रयच्छति। कृत्वा तेनेसागंकुरुत्याज्ञियाणांवासोमरत्नामे
दुंबरंदंदस्यु [illegible] दीक्षेच॥ प्रतिप्रस्थाता पत्न्यैकुवकुंत्वासोभ्याक्षं रंकुं वसयच्छति।
अध्वर्यु यजमानायतेनेसांगंकुरुआतिनमा चनिम्नीनमुत्तरत्वामारुण्पाति। यजमान
पत्न्यात्मा [illegible] स्यांगुं शांगुली तिः शुक्र [illegible] स्पाति। [illegible] मयो। त्रीत्वं
रक्षन्तेयमारिसृनेमा पानमास्मयत स्यात्च॥ दक्षिणला [illegible] विसर्पनि॥ [illegible] प
यः [illegible] माणस्यदे [illegible] नुदक्षं वरुपासम [illegible]॥ [illegible] यानि विम्बांगुरितातरमनु
नर्माणामभिनान [illegible] उपस्थंकृत्वो दउत्तुन्य: कटिप्रदेशे प्रदक्षिणमेखलांप
र्यस्यति [illegible] यामिषुस्य पत्न्या [illegible] नीमेखला। निष्टकं प्रांथिंकाति। [illegible] मामा बीत्स्वां
मार्ई [illegible] सी: प्रतिप्रस्थानायाक्रेणपत्नीसंख्याति॥ [illegible] आसीनासामनुसंभृं।

अग्नेरनु: यत्न॥ [illegible] पर्यंसाप्तेनेनसंत्वानह्याम्ति [illegible] पंभूति। संत्वान
ह्यामि [illegible] यातमपूसादी [illegible] तासेनभ्राजमनेम॥ अध्वर्युयजमानंपासमसाप्रोणाति
[illegible]: ग्रमी [illegible] मानस्यग्रामे मेयच्छ नहनराल। छिद्रपुप उपतंयजमानंवाचय
ति [illegible] मानी [illegible]। यसनानाभिगुस्स्यवसंक्षिप्यो [illegible] पाणप्रदक्षिणांशिरो
वेष्टयति। [illegible] यामि [illegible] प्रज्ञासे [illegible] प्रतिप्रस्थाता पत्न्यैकुष
कुंतरमच्चरति। अध्वर्युः कृत्वा विपाणंप्रयच्छति॥ [illegible] यानिरेसि। यजमानः। [illegible]
[illegible] भालिगद्य। वसनांत [illegible] यांलां [illegible] मुष्टि। अध्वर्युरुसत्यां
दक्षिपां [illegible] कंडूयते। [illegible] प्रतिप्रस्थानापत्न्याःवसनां
तत्रांकुरपच्चाह। पनेनकंडमस्व। अध्वर्युर्यजमानायास्यसमितम [illegible] माहुंब
रंदंडंप्रयच्छति॥ [illegible] वानस्पति:॥ यजमानः प्रतिगृह्णाति। उर्ध्वीमापाह्या

इति॥

इत्य॥ अथ भगुर्वां वसति [illegible] ईशन्ते [illegible] द्यावापृथिवी [illegible] रेरे [illegible]
[illegible] मन्मन्मानिभूर्टीकृ [illegible] मान [illegible] अथ भगुर [illegible]
[illegible] सत्राहा। [illegible] णाअ [illegible] ज्ञानु [illegible] भोव्
[illegible] मि [illegible] आ [illegible] स्था [illegible]
मानैः [illegible] प्रथम॥ [illegible] मानसं [illegible] दीक्षितो [illegible]
[illegible] मान [illegible] भाव [illegible] भामाप [illegible] भासा अपि
[illegible] विषाणवा [illegible] सपरिवा [illegible]
[illegible] दीक्षितो [illegible] निमुक्त [illegible] नि [illegible]
[illegible] मानानिय [illegible] तेनान्या [illegible]
[illegible] वर्तवि [illegible] नाभाष्य [illegible] ग्भ यजमाना॥

[illegible]

[illegible] नेत्रस्त [illegible] हारात्र [illegible] मार्ज [illegible] नानासो
[illegible] मान [illegible] पति। [illegible]
मापू [illegible] मात्मापु [illegible] प्रति [illegible]
[illegible] सि [illegible] अनी [illegible] मेधी सी
नि [illegible] भान्या दि। [illegible] मा [illegible] सर्वत्रानु [illegible] उद्धरणक।
[illegible] वनी [illegible] दीक्षितवाचे [illegible]
[illegible] पत्य [illegible] मुपविष्ट [illegible]
[illegible] पर्यग्नि
[illegible] गारा [illegible]

[illegible]वर्त्तोदिवा। [illegible] संतुमहन्त। [illegible]ना [illegible] सनीयान्[illegible]। [illegible]
[illegible] संप्रैषति। [illegible] पर्यग्निकरणं [illegible]
[illegible] हविर्धानं [illegible] सोमस्य [illegible]
सोमवद्दनीवा [illegible] सोमस्या [illegible] प्रक्षालयति [illegible] संप्रैषतं [illegible] इति॥
[illegible] पर्यग्नि [illegible] सम्बन्ध [illegible] निपद्[illegible]
[illegible] पर्यग्निकरणं [illegible] आज्यभागौ [illegible] [illegible]
[illegible] प्रदक्षिणमागादि [illegible] पञ्चात् [illegible] पाणिभ्यां [illegible] अनुमंत्रयते
वरुणाम [illegible] इति [illegible] अनुमंत्रि [illegible]॥ [illegible]
[illegible]॥ [illegible]॥ [illegible] अपवाल्य [illegible] १३
[illegible] इति [illegible] योनी [illegible]॥ [illegible]

[illegible] अनुमंत्र्य [illegible]॥ [illegible]
[illegible] ततः [illegible] अग्नि [illegible]
[illegible] भर [illegible]॥ [illegible] पूर्वेण [illegible]
१ [illegible] प्राशित्वा [illegible]
यजुर्[illegible] पत्नी [illegible]
[illegible] प्रणीता
[illegible] पुनः [illegible]॥ [illegible]
[illegible] आसन्ने
[illegible] यजमानं [illegible]
[illegible] स्वाहा॥ [illegible] पुनः [illegible]

हीसाम्प्रक्रमुरपात्रंबर्हिर्हिरण्यमादाय गृह्यमानमान प्रहरणो।तस्यापव्यानुगतेन
पतमानेनसदर्पवर्यवाद्वारोपनिष्क्रम्याग्नेणशाल्योनिर्मथ्यानुद्गहीनेयजमानमुनेदर्शयति
शुक्रमस्यमतनमोसवस्मदेव: हवि: हिरण्मनुव्यवधायादित्यमवेक्षयति।सूर्यस्यतुरग रे
हमानेरश्मय: कानिनिकां यदनेनवाभिवीक्ष्यस्य भ्राजमानोविपश्चिता ॥सोमक्रमणनिम
पाद्वाल्यारभ्यायामुदीचीरच्छावमिलाऽनुमंत्रयते।विदसिमनासिधीरसिदक्षिणा
सियाज्ञियासिक्षत्रियास्यदितिरस्युभयत:शीर्ष्णीसान: सुप्राचीसुप्रतीचीमित्रवान
त्वस्यायदिवभालुष भाष्येन:पार्विद्रायास्वध्यसायानुत्वामानामन्यतानतुपितानु
भ्रातानासगर्भ्योनुसखासयूथ्य: यूथ्य: सादेविदेवमच्छहीत्रोपसोमन: रुद्रस्त्वावर्त
यतु मित्रस्यपथस्वास्वस्तिसोमसखापुनरेतिसहरय्या॥त्रेष्वाति दक्षिणत्यर्मस्य १०
सप्तमंपदंनोपमध्वं।।तस्याऽरहनेयमाना मधुरादक्षिणपादस्यपाङ्कु: पट्टय

प०१